www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

गुरुवार
3 अगस्त 2023, नोएडा, नगर संस्करण

वर्ष 88, अंक 183, 16 पेज+4 पेज लाइव, मूल्य ₹ 4.00, एचटी एज के साथ ₹ 5.50 एवं हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ ₹ 9.50 • पांच प्रदेश • 21 संस्करण

पाक चुनाव आयोग ने अवमानना मामले में इमरान का अभियोग टाला
P-15

प्रस्ताव | ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक पर स्थायी तौर पर जाम खत्म करने के लिए निर्माण होगा, जलभराव रोकने के इंतजाम किए जाएंगे

गौड़ चौक अंडरपास के डिजाइन में बदलाव की तैयारी

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता।
ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक (गौड़ चौक) पर बनने वाले अंडरपास के डिजाइन में बदलाव होगा। इसका डिजाइन इस तरह से बनेगा कि अंडरपास में बारिश में जलभराव ना हो। इसके निर्माण पर 80 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण परियोजना की निगरानी के कंसलटेंट का चयन पहले ही कर चुका है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आबादी तेजी से बढ़ रही है। गौड़ चौक मुख्य चौराहा है। ट्रैफिक जाम की समस्या न हो, इसके लिए अस्थायी विकल्प के तौर पर चौराहे के दोनों तरफ दो यूटर्न बने हैं। गौड़ सिटी की तरफ से सूरजपुर या नोएडा को जाने वाले वाहन 130 मीटर रोड पर बने यूटर्न से होकर गुजरते हैं। इसी तरह 130 मीटर रोड या सूरजपुर की तरफ से गौड़ सिटी और प्रताप विहार को जाने वाले वाहन नोएडा की तरफ बने यूटर्न से होकर जाते हैं।

इस समस्या का स्थायी समाधान कराने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सरकारी सलाहकार एजेंसी राइट्स से सर्वे कराया था। यहां पर रोजाना नौ हजार वाहन गुजरते हैं। एजेंसी ने यहां पर अंडरपास बनाने का सुझाव दिया था। ये अंडरपास चौराहे पर 130 मीटर रोड को क्रॉस करते हुए 60 मीटर रोड के समानांतर बनेगा। यानि प्रताप विहार से सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा के बीच वाहन इस अंडरपास से होकर गुजरेंगे। इससे वाहन चालकों के समय और ईंधन दोनों की ही बचत होगी। यह अंडरपास चार लेन होगा। इसकी लंबाई करीब 800 फीट होगी।

इस अंडरपास का डिजाइन लगभग तैयार हो चुका है। अब इसके डिजाइन में थोड़ा बदलाव किया जाएगा। इसका डिजाइन इस तरह से बनाया जाएगा कि बारिश के समय में यहां पर जलभराव ना हो। जलभराव से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। निर्माण शुरू होने के बाद अंडरपास पूरा होने में दो साल का समय लगने का अनुमान है।

> गौड़ चौक पर अंडरपास बनाने की दिशा में काम चल रहा है। इसमें इस बात पर फोकस किया जा रहा है कि जलभराव ना हो। जरूरत होगी तो डिजाइन में भी बदलाव होंगे। इसके बनने से जाम की समस्या खत्म होगी।
>
> **-एनजी रवि कुमार,** सीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

इसलिए फैसला लिया गया

प्राधिकरण ने शहर में बने अंडरपास में आ रही जलभराव की समस्या को देखते हुए यह फैसला लिया है। नॉलेज पार्क-3 अंडरपास हो या फिर 130 मीटर रोड पर डीएफसीसी के अंडरपास हो, सभी जगह जलभराव होता है। बारिश में यहां पर पानी भर जाता है। प्राधिकरण का प्रयास है कि सभी अंडरपास में जलभराव रोका जाए। इसके लिए जरूरी उपाय किए जाएंगे।